TestGenie
AI-Powered Question Paper Generator

Hindi — Class 11

Chapter(s): प्रेमचंद

Maximum Marks: 39 **Time Allowed: 1 Hour 10 Minutes**

Section A — MCQ & Assertion-Reason (1 mark each)

Q1. अमित के गणित में अपेक्षा से बहुत कम अंक आने की समस्या को रजनी सबसे पहले किस ठोस कदम से जाँचना चाहती है? [1 अंक]

A) अमित का स्कूल बदलवाने के लिए तुरंत आवेदन देना

B) गणित की उत्तर-पुस्तिका (कॉपी) देखने की माँग करना

C) अमित की दोबारा परीक्षा कराने के लिए बोर्ड को पत्र लिखना

D) गणित शिक्षक से घर पर निजी तौर पर समझौता करना

Q2. निदेशक के कार्यालय के बाहर प्रतीक्षालय में जो घटना दिखाई गई है (स्लिप के नीचे पाँच रुपए रखना), उससे किस निष्कर्ष को सबसे अधिक समर्थन मिलता है? [1 अंक]

A) कार्यालय में समय-पालन इतना सख्त है कि बिना पर्ची के कोई नहीं जा सकता

B) जनता से मिलने का समय केवल औपचारिकता है, असली काम नियम से होता है

C) पैसे/पहचान के जरिए प्रवेश और काम की गति प्रभावित होती है

D) रजनी को पहले से ही निदेशक से मिलने की अनुमति मिल चुकी थी

Q3. अमित के अनुसार, गणित के शिक्षक 'ट्यूशन ले लो वरना बाद में मत रोना' जैसा दबाव किस चरण के बाद अधिक बढ़ाते हैं? [1 अंक]

A) साल की शुरुआत में, जब केवल आठ लड़के ट्यूशन लेते थे

B) प्रथम टर्मिनल के बाद, जब ट्यूशन लेने वालों की संख्या बढ़ने लगी

C) हाफ़-ईयरली के बाद, जब सात और लड़कों ने ट्यूशन लेना शुरू किया

D) ईयरली रिज़ल्ट निकलने के बाद, जब अंक घट चुके थे

Q4. अमित के अंकों की सूची (इंगलिश 86, हिस्ट्री 80, सिविक्स 88, हिंदी 82, ड्राइंग 90; गणित में कुल 72) के आधार पर, रजनी के संदेह का सबसे तर्कसंगत आधार क्या बनता है? [1 अंक]

A) अमित ने सभी विषयों में लापरवाही की है, इसलिए कुल 72 आए

B) गिरावट केवल गणित में असामान्य है, इसलिए जाँच की आवश्यकता है

C) ड्राइंग में अधिक अंक आने से गणित के अंक स्वतः कट जाते हैं

D) अंग्रेज़ी की ट्यूशन लेने से गणित कमजोर हो जाता है

Q5. माता-पिता की मीटिंग में रजनी बोर्ड के सामने जो नियम प्रस्तावित करती है, उसका सबसे सटीक रूप क्या है? [1 अंक]

A) कोई भी शिक्षक किसी भी छात्र का ट्यूशन नहीं करेगा

B) केवल कमजोर छात्र ही स्कूल के भीतर ट्यूशन ले सकेंगे

C) कोई भी शिक्षक अपने ही स्कूल के छात्रों का ट्यूशन नहीं करेगा

D) निजी स्कूलों को बोर्ड से मिलने वाली अनुदान-राशि बंद कर दी जाए

Q6. अभिकथन (A): 'एप्रूव्ड-एप्रूव्ड' की गूँज यह दिखाती है कि रजनी का प्रस्ताव सभी समस्याओं का पूर्ण समाधान है और अब ट्यूशन की ज़रूरत ही नहीं रहेगी।
कारण (R): रजनी स्वयं कहती है कि बहुत से बच्चों के लिए ट्यूशन ज़रूरी भी है, क्योंकि कई माँएँ पढ़ा नहीं पातीं और कई पिता मदद नहीं करते। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q7. अभिकथन (A): चपरासी द्वारा कुछ लोगों को जल्दी अंदर भेजना रजनी के इस निष्कर्ष को मजबूत करता है कि व्यवस्था में 'दखलअंदाज़ी' के बिना सुधार संभव नहीं।
कारण (R): पाठ में रजनी कहती है कि 'यह तो लोगों से मिलने का समय है' फिर भी साहब 'बिज़ी' बनकर बैठ जाते हैं। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q8. अभिकथन (A): रजनी हेडमास्टर से बहस में यह मानती है कि स्कूल और स्कूल के नियमों का शिक्षकों की ट्यूशन-प्रथा से कोई संबंध नहीं है।
कारण (R): हेडमास्टर कहता है कि यह 'टीचर्स और स्टूडेंट्स का अपना आपसी मामला' है और 'इसमें न स्कूल

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

आता है, न स्कूल के नियम'। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q9. अभिकथन (A): निदेशक 'ट्यूशन धंधा नहीं' कहकर समस्या को व्यक्तिगत पसंद का मामला बना देता है और संस्थागत दखल से बचता है।

कारण (R): निदेशक का तर्क है कि यदि कोई टीचर लूट रहा हो तो उस टीचर से ट्यूशन न लें और किसी और के पास चले जाएँ। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q10. अभिकथन (A): रजनी के प्रस्तावित नियम का उद्देश्य यह है कि स्कूल के भीतर मूल्यांकन-शक्ति और ट्यूशन-लाभ का हित-संघर्ष टूटे।

कारण (R): रजनी मीटिंग में कहती है कि यदि कोई भी टीचर अपने ही स्कूल के छात्रों का ट्यूशन नहीं करेगा, तो बच्चों पर ज़ोर-ज़बरदस्ती और नंबर काटने की गंदी हरकतें अपने आप बंद हो जाएँगी। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Section B — Very Short Answer (2 marks each)

Q11. 'रजनी' में अमित की 'हाफ़-ईयरली' और 'ईयरली' उपलब्धि के संदर्भ से यह दिखता है कि ट्यूशन का दबाव 'कमज़ोरी' नहीं बल्कि 'नियंत्रण' का औज़ार भी बन सकता है। उत्तर ठीक 2 वाक्यों में दीजिए: (1) एक वाक्य में निष्कर्ष, (2) दूसरे वाक्य में पाठ-आधारित प्रमाण। [2 अंक]

Q12. रजनी ने हेडमास्टर से कॉपी दिखाने की माँग को 'नियम' से टकराने के बावजूद जायज़ क्यों माना? उत्तर ठीक 2 वाक्यों में दीजिए-पहला वाक्य कारण, दूसरा वाक्य परिणाम/उद्देश्य। [2 अंक]

Q13. 'स्लिप' और 'मिलने का समय' वाले दृश्य के आधार पर प्रशासनिक दफ्तर की कार्य-संस्कृति पर टिप्पणी कीजिए। उत्तर ठीक 2 वाक्यों में: एक वाक्य में समस्या, दूसरे में रजनी की प्रतिक्रिया/रणनीति। [2 अंक]

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

Section C — Short Answer (3 marks each)

Q14. रजनी द्वारा उठाए गए 'ट्यूशन-धंधे' के मुद्दे को एक नीति-समस्या (policy problem) की तरह विश्लेषित कीजिए। उत्तर ठीक 3 क्रमांकित बिंदुओं में दीजिए, प्रत्येक बिंदु में शीर्षक + 2-3 वाक्य हों (कुल 130-160 शब्द)। [3 अंक]

Q15. 'नियम' शब्द पाठ में दो अलग अर्थ-छवियाँ बनाता है-(i) प्रशासनिक सुविधा, (ii) न्याय/जवाबदेही। रजनी और हेडमास्टर के संवाद के आधार पर इस द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए। उत्तर ठीक 3 क्रमांकित बिंदुओं में दीजिए, प्रत्येक बिंदु में शीर्षक + 2-3 वाक्य हों (कुल 130-160 शब्द)। [3 अंक]

Q16. रजनी ने व्यक्तिगत शिकायत को 'आंदोलन' का रूप देने के लिए कौन-सी तीन रणनीतियाँ अपनाईं? उत्तर ठीक 3 क्रमांकित बिंदुओं में दीजिए, प्रत्येक बिंदु में शीर्षक + 2-3 वाक्य हों (कुल 130-160 शब्द)। [3 अंक]

Section D — Long Answer (5 marks each)

Q17. 'रजनी' अंश के आधार पर शिक्षा के व्यवसायीकरण की पूरी शृंखला (कारण→तंत्र→परिणाम) का विश्लेषण कीजिए। उत्तर में 5 शीर्षकबद्ध बिंदुओं में यह भी स्पष्ट कीजिए कि अमित के साथ हुई घटना केवल व्यक्तिगत समस्या क्यों नहीं, बल्कि संस्थागत समस्या कैसे बनती है। [5 अंक]

Q18. रजनी की रणनीति को 'नागरिक प्रतिरोध' के रूप में परखिए। उत्तर में 5 शीर्षकबद्ध बिंदुओं में (क) उसकी तर्क-पद्धति, (ख) संवाद-शैली, (ग) संस्थाओं के प्रति दृष्टि, (घ) मीडिया/सामूहिकता का उपयोग, (ङ) प्रस्तावित नियम की व्यावहारिकता-इन सभी का मूल्यांकन कीजिए। [5 अंक]

Section E — Case Study (4 marks each)

Q19. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [4 अंक]

एक निजी विद्यालय में कक्षा 7-8 के गणित शिक्षक वर्ष के बीच से 'विशेष अभ्यास सत्र' के नाम पर अपने ही विद्यार्थियों को पढ़ाने लगे। अभिभावकों से कहा गया कि यह सत्र अनिवार्य नहीं है, परंतु कई बच्चों ने अनुभव किया कि जो बच्चे सत्र में नहीं जाते, उनकी कॉपियों में 'सिली' गलतियाँ निकालकर अधिक कटौती होती है। स्कूल प्रबंधन का नियम है कि वार्षिक परीक्षा की उत्तर-पुस्तिकाएँ नहीं दिखाई जाएँगी, केवल अर्धवार्षिक की दिख सकती हैं। इसी बीच तीन छात्रों के गणित अंक (अर्धवार्षिक 95-98 के बाद) वार्षिक में 70-75 के बीच आ गए, जबकि अन्य विषय स्थिर रहे। नीचे तालिका दी है: तालिका: तीन छात्रों के अंक (अर्धवार्षिक→वार्षिक)

अमित: गणित 96→72, अंग्रेज़ी 84→85

नेहा: गणित 95→74, हिंदी 82→83

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

इरफ़ान: गणित 98→71, विज्ञान 86→86 कुछ अभिभावक डरते हैं कि शिकायत करने पर अगले सत्र में बच्चों को निशाना बनाया जाएगा। एक अभिभावक समूह सोचता है कि यदि बोर्ड स्तर पर नियम बने कि कोई शिक्षक अपने ही स्कूल के छात्रों को भुगतान लेकर न पढ़ाए, तो दबाव घटेगा; पर स्कूल कहता है कि 'यह शिक्षक-छात्र का निजी मामला' है।

(i) तालिका के आधार पर बताइए कि 'समस्या विषय-विशिष्ट' होने का सबसे ठोस संकेत कौन-सा है? (1 अंक)

(ii) गद्यांश के अनुसार स्कूल का 'उत्तर-पुस्तिका न दिखाने' वाला नियम किस तरह संभावित धाँधली को मजबूत कर सकता है? एक स्पष्ट कारण लिखिए। (1 अंक)

(iii) अभिभावक समूह बोर्ड के सामने कौन-सा 2-बिंदुओं वाला व्यावहारिक प्रस्ताव रखे, ताकि (क) हित-संघर्ष घटे और (ख) कमजोर छात्रों की सहायता भी बनी रहे? (2 अंक)

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

Hindi — Class 11

Chapter(s): प्रेमचंद

Section A — MCQ & Assertion-Reason (1 mark each)

A1.

उत्तर:

Correct option: (B)

गणित की उत्तर-पुस्तिका (कॉपी) देखने की माँग करना

Explanation:

रजनी का तर्क है कि यदि अमित ने पूरा पेपर ठीक किया था, तो कॉपी देखकर पता लगाया जा सकता है कि अंक किस आधार पर काटे गए। वह इसे 'गलतफ़हमी' बनाम 'एक्ज़ामिनर की गलती' की जाँच का पहला प्रमाण-आधारित कदम मानती है।; Hence, option (B) is correct.

A2.

उत्तर:

Correct option: (C)

पैसे/पहचान के जरिए प्रवेश और काम की गति प्रभावित होती है

Explanation:

दूसरे व्यक्ति की स्लिप के साथ नोट रखने पर चपरासी उसे तुरंत अंदर ले जाता है, जबकि रजनी की स्लिप देर से पड़ी रहती है। यह दृश्य व्यवस्था में लेन-देन/सिफ़ारिश से प्राथमिकता मिलने की ओर संकेत करता है।; Hence, option (C) is correct.

A3.

उत्तर:

Correct option: (C)

हाफ़-ईयरली के बाद, जब सात और लड़कों ने ट्यूशन लेना शुरू किया

Explanation:

अमित बताता है कि हाफ़-ईयरली के बाद सात लड़कों ने और ट्यूशन शुरू की और तभी से शिक्षक उससे भी बार-बार कहने लगे। इससे दबाव बढ़ने का समय-क्रम स्पष्ट होता है।; Hence, option (C) is correct.

A4.

उत्तर:

Correct option: (B)

गिरावट केवल गणित में असामान्य है, इसलिए जाँच की आवश्यकता है

Explanation:

अन्य विषयों में अंक सामान्य/अधिक हैं, जबकि गणित में तेज गिरावट दिखती है; यही 'विषय-विशिष्ट' विसंगति रजनी को कॉपी देखने और कारण जानने की ओर ले जाती है। यह डेटा से निकला निष्कर्ष है, अनुमान नहीं।; Hence, option (B) is correct.

A5.

उत्तर:

Correct option: (C)

कोई भी शिक्षक अपने ही स्कूल के छात्रों का ट्यूशन नहीं करेगा

Explanation:

रजनी का प्रस्ताव सीधे हित-संघर्ष रोकने पर केंद्रित है-एक ही शिक्षक परीक्षा/मूल्यांकन से जुड़ा होकर उसी छात्र को ट्यूशन भी दे, तो दबाव और अंक-कटौती की गुंजाइश बनती है। इसी को रोकने हेतु वह 'अपने ही स्कूल' की सीमा स्पष्ट करती है।; Hence, option (C) is correct.

A6.

उत्तर:

Correct option: (D)

अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Explanation:

अभिकथन 'ट्यूशन की ज़रूरत ही नहीं' जैसी अतिशयोक्ति करता है, जबकि पाठ में रजनी ट्यूशन की आवश्यकता को कुछ स्थितियों में स्वीकार करती है। कारण सही है क्योंकि रजनी ने मीटिंग में ट्यूशन के सामाजिक-घरेलू कारणों का उल्लेख किया है।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

A7.

उत्तर:

Correct option: (B)

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

Explanation:

अभिकथन सही है क्योंकि प्रतीक्षालय का अनुभव दिखाता है कि औपचारिक नियमों के बावजूद 'पहुँच' असमान है, जिससे रजनी हस्तक्षेप की जरूरत समझती है। कारण भी सही है, पर वह 'बिज़ी' रहने की शिकायत है; यह सीधे चपरासी-प्राथमिकता/लेन-देन वाली बात की व्याख्या नहीं करता।

A8.

उत्तर:

Correct option: (D)

अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Explanation:

अभिकथन गलत है क्योंकि रजनी स्कूल-प्रबंधन की जिम्मेदारी पर ही प्रश्न उठाती है और कहती है कि जो 'कुछ कर सके' वही कुर्सी पर होना चाहिए। कारण सही है क्योंकि हेडमास्टर सचमुच ट्यूशन को स्कूल-नियमों से अलग बताकर पल्ला झाड़ता है।

A9.

उत्तर:

Correct option: (A)

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

निदेशक ट्यूशन को 'मजबूरी नहीं' बताकर संरचनात्मक दबाव और हित-संघर्ष की बात से हट जाता है। कारण में वही विकल्पवादी तर्क है जो अभिकथन में वर्णित 'व्यक्तिगत पसंद' वाली फ्रेमिंग को स्पष्ट करता है।

A10.

उत्तर:

Correct option: (A)

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

अभिकथन हित-संघर्ष (ट्यूशन से लाभ + अंक देने की सत्ता) को केंद्र मानता है, और कारण उसी नियम-निर्माण से उत्पन्न व्यवहारिक असर (दबाव/अंक-कटौती का बंद होना) बताता है। इसलिए कारण, अभिकथन की सटीक व्याख्या करता है।

Section B — Very Short Answer (2 marks each)

A11.

उत्तर:

ट्यूशन का दबाव कई बार कमजोर बच्चे की मदद नहीं, बल्कि अंक-नियंत्रण और भय पैदा करके पालन करवाने का औज़ार बन जाता है। पाठ में अमित बताता है कि हाफ़-ईयरली में 96 (क्लास में सबसे ज़्यादा) होने पर भी सर 'ईयरली में पूरे चाहिए तो तुरंत ट्यूशन लो' कहते रहे और ट्यूशन न लेने पर 72 अंक रह गए।

A12.

उत्तर:

रजनी ने इसे जायज़ माना क्योंकि जब बच्चा दावा कर रहा हो कि पेपर पूरा ठीक है और फिर भी असामान्य रूप से अंक कटे हों, तो जवाबदेही तय करने के लिए प्रमाण देखना जरूरी है। उसका उद्देश्य यह जानना है कि अंक किस आधार पर काटे गए-अमित की गलतफ़हमी है या जाँचकर्ता/व्यवस्था की धाँधली।

A13.

उत्तर:

समस्या यह है कि मिलने का घोषित समय होते हुए भी वास्तविक प्रवेश/सुनवाई अनौपचारिक 'जुगाड़' से नियंत्रित होती दिखती है, जिससे नागरिक अधिकार कमजोर पड़ते हैं। रजनी इस देरी/भेदभाव को स्वीकार करने के बजाय बिना घंटी के अंदर जाकर सीधे सवाल करती है और शिकायत को मुद्दे में बदलने की दिशा लेती है।

Section C — Short Answer (3 marks each)

A14.

उत्तर:

1) हित-संघर्ष (टकराव) की संरचना: जब वही शिक्षक कक्षा में पढ़ाता/अंक देता है और उसी के छात्रों को ट्यूशन बेचता है, तो शक्ति और लाभ एक जगह केंद्रित हो जाते हैं। इससे 'ट्यूशन लो वरना अंक घटेंगे' जैसा

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

दबाव संभव हो जाता है, जैसा अमित के अनुभव से संकेत मिलता है।

2) पारदर्शिता का अभाव और जवाबदेही: हेडमास्टर 'कॉपियाँ नहीं दिखाते' के नियम से जाँच के रास्ते बंद क देता है। ऐसी व्यवस्था में शिकायत प्रमाण तक नहीं पहुँचती और धाँधली ढँकी रह सकती है, इसलिए रजनी कॉपी देखने को न्यूनतम अधिकार मानती है।

3) समाधान का तर्क और सीमा: रजनी का प्रस्ताव-अपने ही स्कूल के छात्रों की ट्यूशन पर रोक-सीधे हित-संघर्ष तोड़ता है। वह ट्यूशन की जरूरत को नकारती नहीं, पर मूल्यांकन-शक्ति के साथ ट्यूशन-लाभ के गठजोड़ को रोककर बच्चों के अंकों की निष्पक्षता बचाती है।

A15.

उत्तर:

1) नियम = सुविधा/भीड़-नियंत्रण: हेडमास्टर कॉपी न दिखाने के नियम को समय बचाने और अभिभावकों की भीड़ रोकने के तर्क से जोड़ता है। उसके लिए नियम 'प्रक्रिया' है, जो प्रश्नों को बाहर रखकर व्यवस्था को चलाए रखता है।

2) नियम = ढाल/पलायन: उसी नियम के सहारे वह शिक्षक-ट्यूशन की शिकायत से खुद को अलग कर देता है-'यह आपसी मामला है'। रजनी इसे अन्याय ढँकने वाला आवरण मानती है, क्योंकि जाँच ही न हो तो जिम्मेदारी तय नहीं होगी।

3) नियम = न्याय का औज़ार (पुनर्निर्माण): रजनी नियम को नकारती नहीं; वह नया नियम बनवाकर उसे जवाबदेही से जोड़ती है-अपने स्कूल के छात्रों की ट्यूशन पर रोक। यहाँ नियम का उद्देश्य सुविधा नहीं, हित-संघर्ष तोड़कर निष्पक्षता सुनिश्चित करना है।

A16.

उत्तर:

1) प्रमाण से शुरुआत और नैतिक फ्रेमिंग: उसने अमित की कॉपी देखने की माँग उठाई और इसे 'नंबर काटने' जैसी धाँधली से जोड़ा। फिर इसे सिर्फ एक बच्चे का नहीं, शिक्षा की दुकानदारी और अन्याय का सवाल बताकर नैतिक आधार बनाया।

2) संस्थानों को टकराव में लाना: हेडमास्टर और निदेशक के पास जाकर उसने जिम्मेदारी की चेन को उजागर किया-'कौन करेगा?'। संस्थागत टालमटोल (नियम/कोई शिकायत नहीं) को वह सार्वजनिक जवाबदेही के मुद्दे में बदलती है।

3) नेटवर्क + मीडिया + सभा: वह फोन करती है, पत्र/पते दर्ज करती है, अभिभावकों से मिलकर समर्थन जुटाती है। संपादक के जरिए पी.टी.आई. फ्लैश और मीटिंग की सूचना देकर भीड़, प्रेस-फोकस और सामूहिक सहमति (एप्रूव्ड) पैदा करती है।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

Section D — Long Answer (5 marks each)

A17.

उत्तर:

शिक्षा के व्यवसायीकरण का अर्थ है सीखने की प्रक्रिया का 'मूल्यांकन' नहीं, 'मुनाफ़े' के हित में संचालित होना।

1) आर्थिक दबाव और 'ट्यूशन-निर्भर' संस्कृति: कई निजी स्कूलों में शिक्षक-तनख्वाह/प्रतिष्ठा का असंतुलन ट्यूशन को आय का साधन बनाता है। इससे पढ़ाई का केंद्र कक्षा से हटकर 'भुगतान वाली सहायता' पर चला जाता है।

2) शिक्षक का सूक्ष्म दबाव-तंत्र: पाठक सर जैसे शिक्षक बार-बार यह संकेत देते हैं कि वार्षिक परीक्षा में अंक 'ट्यूशन' से बंधे हैं। छात्र को लगता है कि योग्यता पर्याप्त नहीं, शिक्षक की 'कृपा' आवश्यक है।

3) मूल्यांकन में पारदर्शिता का अभाव: 'कॉपी नहीं दिखाने' का नियम जवाबदेही को कमजोर करता है। जब जाँच की प्रक्रिया पर सवाल उठे भी, तो अभिभावक प्रमाण नहीं जुटा पाते और गलत अंक-कटौती ढँक जाती है।

4) अभिभावकों का भय और सामूहिक चुप्पी: लीला बेन जैसी माताएँ आर्थिक मजबूरी के साथ 'अगले साल और परेशान करेंगे' के डर से प्रतिरोध नहीं कर पातीं। यह डर व्यवस्था को वैधता देता है और अन्याय नियमित हो जाता है।

5) संस्थागत निष्क्रियता से 'रैकेट' मजबूत होना: हैडमास्टर 'यह आपसी मामला' कहकर हाथ झाड़ते हैं, बोर्ड/निदेशक 'शिकायत नहीं आई' कहकर टालते हैं। जब शीर्ष-स्तर कार्रवाई नहीं करता, तो व्यक्तिगत घटना संरचनात्मक समस्या बन जाती है।

निष्कर्ष: अमित का 72 अंक पाना केवल एक बच्चे की असफलता नहीं, बल्कि दबाव, अपारदर्शिता और संस्थागत उदासीनता के मिले-जुले तंत्र का परिणाम है।

A18.

उत्तर:

रजनी का प्रतिरोध भावुक प्रतिक्रिया भर नहीं, मुद्दे को सार्वजनिक नीति तक ले जाने की प्रक्रिया है।

1) तर्क-पद्धति: वह एक केस (अमित) को 'नमूना' बनाकर पैटर्न खोजती है-अंक कटना, ट्यूशन-डर, नियम की आड़। उसका सवाल 'किस बात के अंक कटे?' तथ्य-आधारित जाँच की मांग है।

2) संवाद-शैली: वह व्यंग्य, तीखे प्रश्न और नैतिक दबाव का प्रयोग करती है। यह शैली सत्ता-भाषा (अंग्रेज़ी/औपचारिकता) का 'उलटा उपयोग' करके संस्थाओं की असंवेदनशीलता उजागर करती है।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

3) संस्थाओं के प्रति दृष्टि: हैडमास्टर/निदेशक की 'हम कुछ नहीं कर सकते' वाली निष्क्रियता को वह पद-कर्तव्य के विरुद्ध मानती है। उसका मानना है कि नियम सुविधा के लिए नहीं, न्याय के लिए होने चाहिए।

4) मीडिया और सामूहिकता का उपयोग: व्यक्तिगत शिकायत को वह सामूहिक आंदोलन में बदलती है-पत्र, संपर्क, बैठक, संपादक से राइट-अप/सूचना। इससे शक्ति-संतुलन बदलता है और बोर्ड पर नीति-निर्णय का दबाव बनता है।

5) नियम की व्यावहारिकता: 'कोई भी शिक्षक अपने ही स्कूल के छात्रों का ट्यूशन नहीं करेगा'-यह हित-संघर्ष रोकता है, अंक-कटौती की 'प्रेरणा' घटाता है। साथ ही सख्त कार्रवाई/निगरानी की मांग इसे लागू करने योग्य बनाती है, हालांकि कमजोर छात्रों के लिए वैकल्पिक सहायता (अन्य शिक्षक/कोचिंग) की व्यवस्था भी जरूरी संकेतित होती है।

निष्कर्ष: रजनी का प्रतिरोध तर्क, संगठन और नीति-प्रस्ताव के सहारे व्यक्तिगत अन्याय को सार्वजनिक सुधार में रूपांतरित करता है।

Section E — Case Study (4 marks each)

A19.

(i) तालिका के आधार पर बताइए कि 'समस्या विषय-विशिष्ट' होने का सबसे ठोस संकेत कौन-सा है?

उत्तर:

तीनों छात्रों में अन्य विषयों के अंक लगभग स्थिर हैं, जबकि केवल गणित में 20-27 अंकों की तेज गिरावट है; यह दर्शाता है कि गिरावट सामान्य क्षमता/मेहनत में नहीं, विषय-विशिष्ट मूल्यांकन/दबाव से जुड़ी हो सकती है।

(ii) गद्यांश के अनुसार स्कूल का 'उत्तर-पुस्तिका न दिखाने' वाला नियम किस तरह संभावित धाँधली को मजबूत कर सकता है? एक स्पष्ट कारण लिखिए।

उत्तर:

उत्तर-पुस्तिका न दिखाने से अंक कटने के ठोस आधार की जाँच नहीं हो पाती, इसलिए शिक्षक/जाँचकर्ता की पक्षपातपूर्ण या बदनीयती वाली कटौती प्रमाण के अभाव में छिपी रह सकती है।

(iii) अभिभावक समूह बोर्ड के सामने कौन-सा 2-बिंदुओं वाला व्यावहारिक प्रस्ताव रखे, ताकि (क) हित-संघर्ष घटे और (ख) कमजोर छात्रों की सहायता भी बनी रहे?

उत्तर:

1) हित-संघर्ष रोकने का नियम: 'कोई भी शिक्षक अपने ही स्कूल के विद्यार्थियों का भुगतान लेकर ट्यूशन/विशेष सत्र नहीं चलाएगा'; उल्लंघन पर स्पष्ट दंड व शिकायत-निवारण समय-सीमा तय हो।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

2) वैकल्पिक शैक्षणिक सहायता: स्कूल में निःशुल्क/कम-शुल्क 'सपोर्ट क्लास' किसी अन्य शिक्षक/घूर्णन-व्यवस्था से कराई जाए या बाहरी मान्य ट्यूटर सूची बने, ताकि सहायता रहे पर अंक-आधारित दबाव न बने।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.